www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 149 | जौनपुर मंगलवार, 13 जनवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार–चुनाव आयुक्त को नोटिस भेजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्त विधेयक, 2023 के एक महत्वपूर्ण प्रावधान को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी करते हुए गंभीर संवैधानिक चिंता व्यक्त की। याचिका में तर्क दिया गया है कि नया कानून मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के दौरान किए गए कार्यों के लिए किसी भी दीवानी या आपराधिक कार्यवाही से अभूतपूर्व, आजीवन प्रतिरक्षा प्रदान करता है। याचिकाकर्ता के अनुसार, विधेयक में निहित प्रतिरक्षा प्रावधान संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करता है और जवाबदेही के सिद्धांत को कमजोर करता है। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया, विधेयक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग को ऐसी अभूतपूर्व प्रतिरक्षा प्रदान नहीं कर सकता जो संविधान निर्माताओं ने न्यायाधीशों को भी नहीं दी। संसद ऐसी उच्च प्रतिरक्षा प्रदान नहीं कर सकती जो संविधान निर्माताओं ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों को नहीं दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने उठाई गई चिंताओं पर ध्यान दिया और संकेत दिया कि इस मुद्दे पर गहन न्यायिक जांच की आवश्यकता है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ष्हम इसकी जांच करना चाहेंगे। हम नोटिस जारी कर रहे हैं।ष पीठ ने केंद्र और चुनाव आयोग दोनों से जवाब मांगा है।

### हाईकमान और प्रदेश नेतृत्व के साथ होगी मीटिंग : बीके हरिप्रसाद

कोलकाता, (एजेंसी)। कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी (पश्चिम बंगाल) के चेयरमैन बीके हरिप्रसाद ने रविवार को कहा कि स्क्रीनिंग कमेटी की पहली मीटिंग रविवार को हुई। उन्होंने बताया कि पार्टी हाईकमान जल्द ही पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी लीडरशिप के साथ मीटिंग करेगा ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव की स्ट्रैटेजी को फाइनल किया जा सके।4 जनवरी को, ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने राज्य में असेंबली चुनावों को देखते हुए बी.के. हरिप्रसाद को वेस्ट बंगाल स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरपर्सन घोषित किया। कमेटी बनने के बाद से पहली मीटिंग रविवार को हुई। जब उनसे पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी और राज्य में संभावित अलायंस पार्टनर के बारे में पूछा गया, तो हरिप्रसाद ने कहा, ष्सभी फैसले गुलाम मीर लेंगे, जो इंचार्ज सेक्रेटरी हैं, और उसके बाद हम उसी हिसाब से आगे बढ़ेंगे।ष्ध्यान दें कि 7 जनवरी को, कांग्रेस प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने नेताओं को असम, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल जैसे चुनावी राज्यों में आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए तुरंत प्रभाव से एआईसीसी सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किया था।

# ग्रीन हाइड्रोजन में भारतीय और जर्मन कंपनियों का नया मेगा प्रोजेक्ट : पीएम मोदी

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की मौजूदगी में भारत–जर्मनी के बीच हुए गेम चेंजर मेगा प्रोजेक्ट का उल्लेख किया। सोमवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर कनवेंशन एंड एग्जिबिशन सेंटर में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच हुए विभिन्न समझौतों की अहमियत बताई। प्रधानमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की जयंती का उल्लेख करते हुए कहा, ष्स्वामी विवेकानंद जयंती के दिन चांसलर मर्ज का भारत में स्वागत करना मेरे लिए विशेष प्रसन्नता का विषय है। ये एक सुखद संयोग है कि स्वामी विवेकानंद जी ने ही भारत और जर्मनी के बीच दर्शन, ज्ञान और आत्मा का सेतु बनाया था। आज चांसलर मर्ज की यह यात्रा उसी सेतु को नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया विस्तार प्रदान कर रही है। चांसलर के रूप में यह उनकी भारत ही नहीं, बल्कि एशिया की भी पहली यात्रा है। यह इस बात का सशक्त प्रमाण है कि वे भारत के साथ संबंधों को कितना गहरा महत्व देते हैं।ष पीएम मोदी ने इस यात्रा को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि भारत और जर्मनी जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच करीबी सहयोग पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण है। बढ़ते व्यापार और निवेश संबंधों ने हमारे स्ट्रटीजिक पार्ट्नर्शिप को नई ऊर्जा दी है। हमारा द्विपक्षीय व्यापार अब तक के अपने सर्वोच्च स्तर पर पहुंच चुका है और 50 बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। दो हजार से अधिक जर्मन कंपनियां लंबे समय से भारत में मौजूद हैं। ये भारत के प्रति उनके अटूट विश्वास और यहां मौजूद अनंत संभावनाओं को दर्शाता है। आज सुबह भारत–जर्मनी सीईओ फोरम में इसकी जीवंत झलक दिखाई दी। प्रधानमंत्री ने उन समझौतों और सहयोग की बात की जो दोनों देशों के बीच है। बोले, ष्भारत और जर्मनी के बीच टेक्नोलॉजी सहयोग प्रति वर्ष मजबूत हुआ है और आज इसका प्रभाव जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में भारत और जर्मनी की प्राथमिकताएं समान हैं। इसमें सहयोग को बढ़ाने के लिए हमने इंडियादृजर्मनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने का निर्णय लिया है। ये नॉलेज, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन का साझा मंच बनेगा। हम क्लाइमेट, एनर्जी, अर्बन डेवलपमेंट और अर्बन मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में मिलकर नई परियोजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं।ष इसके साथ ही पीएम मोदी ने उस मेगा प्रोजेक्ट की बात की जो दोनों देशों के लिए गेम चेंजर साबित होगा। उन्होंने कहा, ष्ग्रीन हाइड्रोजन में दोनों देशों की कंपनियों का नया मेगाप्रोजेक्ट भविष्य की ऊर्जा के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा। भारत और जर्मनी सिक्योर, ट्रस्टेड, और रेसिलिएंट सप्लाई चेन्स निर्माण के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। इन सभी विषयों पर आज किए जा रहे एमओयू से हमारे सहयोग को नई गति और मजबूती मिलेगी। पीएम मोदी ने रक्षा उद्योग के रोडमैप की बात की। उन्होंने कहा कि रक्षा और सुरक्षा में बढ़ता सहयोग हमारे आपसी भरोसे और साझी सोच का प्रतीक है।

## अमेरिका के साथ भी द्विपक्षीय व्यापारिक वार्ता जारी : पीयूष गोयल

राजकोट, (एजेंसी)।भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) के बीच ट्रेड डील पर बातचीत अंतिम चरणों में है और हम अमेरिका के साथ भी द्विपक्षीय ट्रेड डील को लेकर बातचीत कर रहे हैं। यह बयान वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को दिया। केंद्रीय मंत्री की ओर से यह बयान राजकोट में रीजनल एमएसएमई कॉन्क्लेव के दौरान दिया गया। गोयल हाल ही में ब्रसेल्स से लौटे हैं, जहां उन्होंने ईयू ट्रेड एंड इकोनॉमिक सिक्योरिटी कमिश्नर मारोस सेफ्कोविक से भारत–यूरोपियन यूनियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत की थी। भारत की कोशिश ईयू के साथ होने वाले एफटीए में अधिक श्रम उपयोग वाले सेक्टर्स को जीरो ड्यूटी एक्सेस दिलाना है, जिसमें कपड़ा, चमड़ा, परिधान, रत्न और आभूषण और हस्तशिल्प शामिल हैं। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक पोस्ट में कहा, ष्इस बातचीत के दौरान, हमने प्रस्तावित समझौते के मुख्य क्षेत्रों पर चर्चा की।

## बजट में बड़े आर्थिक सुधारों का रोडमैप तैयार : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका के टैरिफ वार से वैश्विक अर्थव्यवस्था में बनी अनिश्चितता के बीच भारत नए साल में बड़े आर्थिक सुधारों की दिशा में कदम बढ़ाने जा रहा है। इसकी झलक एक फरवरी को पेश होने वाले आम बजट में देखने को मिलेगी। सरकार की रणनीति उच्च विकास दर बनाए रखने, निर्यात बढ़ाने और निवेश के नए अवसर तैयार करने पर केंद्रित है। बदलते वैश्विक हालात में भारत खुद को मजबूत आर्थिक विकल्प के रूप में पेश करना चाहता है। सरकार आम बजट के जरिए सेवा क्षेत्र, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचा, अंतरिक्ष और स्वास्थ्य सेवा जैसे अहम क्षेत्रों में बड़े सुधारों की घोषणा कर सकती है। इन क्षेत्रों को रोजगार सृजन और दीर्घकालिक विकास की रीढ़ माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि इन सुधारों से घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत नए साल में कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता, प्राथमिकता व्यापार समझौता और द्विपक्षीय निवेश संधि को आगे बढ़ाने की तैयारी में है। संभावना है कि इसी महीने यूरोपियन यूनियन के साथ एफटीए और मार्च तक साथ बीआईटी को अंतिम रूप दिया जाए।अमेरिकी बाजार में संभावित नुकसान की भरपाई के लिए भारत नए बाजारों की तलाश में पहले से जुटा हुआ है। सरकार सेमीकंडक्टर क्षेत्र में चिप निर्माण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। लक्ष्य इसी साल 55 अरब डॉलर के संभावित बाजार में भारत की मजबूत मौजूदगी दर्ज कराना है। माना जा रहा है कि चिप निर्माण में आत्मनिर्भरता से भारत तकनीकी और रणनीतिक रूप से मजबूत होगा।

# देश, प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए जुट जाएं युवा : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर युवाओं को समर्पित कार्यक्रम श्युवा प्रतिभा सम्मान और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिकाश का आयोजन किया गया। यह आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुआ। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने मौजूद लोगों को संबोधित किया। इस मौके पर युवा कल्याण एवं खेल मंत्री गिरीश यादव ने कहा कि युवाओं का उत्साहवर्धन के लिए सीएम आए हैं। आज का दिन हमारे लिए प्रेरणा और संकल्प का दिन है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि उठो, जागो, तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। यह हमें एकाग्रता, अनुशासन और प्रेरणा देता है। सरकार युवाओं के खेल, कौशल विकास और सशक्त बनाने का काम कर रही है। युवा स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करें। संकल्प लेकर जाए, इसी पथ पर आगे बढ़ेंगे। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि विवेकानंद ने दुनिया को भारत की वास्तविक ताकत का एहसास कराया था। युवा, स्वामी जी से सीख लेकर पीएम मोदी के नेतृत्व में देश, प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए जुट जाएं। स्वामी जी को पढ़े, समझें, आगे बढ़ें। जब देश गुलामी की जंजीर में जकड़ा था, उस समय भी शिकागो के सम्मेलन में गए थे। उनके रहने, भोजन आदि की भी व्यवस्था नहीं थी। आमंत्रण भी नहीं था। किंतु उन्होंने मां भारती के तिरंगे को कभी झुकने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने कहा था, हमारे यहां टेलर नहीं चरित्र महान बनाता है। युवा उनके जीवन चरित्र को पढ़े। मां बीमार और दवा के लिए पैसे नहीं था। युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। युवा, मार्कशीट के पीछे भाग रहे हैं। कम नंबर आने पर छलांग लगा दे रहे हैं। अपनी प्रतिभा को पहचानो। देश, प्रदेश में हर ओर विकास कार्य। आज युवा अवसर ढूंढने वाला नहीं है, बल्कि अपनी अलग पहचान बना रहा है। युवा शसक्त तभी देश, प्रदेश सशक्त होगा। इस मौके पर 21 करोड़ से बने 5 बहुउद्देश्यीय हाल का लोकार्पण किया गया।

# स्वामी विवेकानंद ने भारत के शाश्वत ज्ञान को विश्व तक पहुंचाया-द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सोमवार को पूरा देश स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती मना रहा है। रामकृष्ण मठ और मिशन के मुख्यालय बेलूर मठ में, मंगल आरती और विशेष प्रार्थनाओं के साथ उत्सव की शुरुआत सुबह जल्दी हो गई। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को तत्कालीन कलकत्ता में नरेंद्रनाथ दत्ता के रूप में हुआ था। उनकी जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मठ और मिशन की विभिन्न शाखाओं ने राज्य के अलग–अलग हिस्सों में जुलूस निकाले, जिनमें स्कूली छात्र भी शामिल हुए। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर कहा कि उन्होंने भारतीयों में राष्ट्रीय गौरव का संचार किया। इसके साथ ही युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया राष्ट्रपति मूर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा "एक कालजयी दूरदर्शी और आध्यात्मिक व्यक्तित्व। उन्होंने यह उपदेश दिया कि आंतरिक शक्ति और मानवता की सेवा एक सार्थक जीवन की नींव हैं। उन्होंने भारत के शाश्वत ज्ञान को विश्व तक पहुंचाया। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा "भारतीय युवाशक्ति के सशक्त प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद को उनकी जयंती पर मेरी आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व विकसित भारत के संकल्प में निरंतर नई ऊर्जा का संचार करने वाला है। मेरी कामना है कि राष्ट्रीय युवा दिवस का यह दिव्य अवसर सभी देशवासियों, विशेषकर हमारे युवा साथियों के लिए नई शक्ति और नया आत्मविश्वास लेकर आए।" इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा "स्वामी विवेकानंद का मानना था कि युवा शक्ति ही राष्ट्र–निर्माण की सबसे सशक्त आधारशिला है। भारतीय युवा अपने जोश और जुनून से हर संकल्प को साकार कर सकते हैं। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर अमित शाह ने एक्स पर लिखा, ष्स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मैं उन्हें नमन करता हूं।राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। स्वामी विवेकानंद ने देश के युवाओं को भारत की ज्ञान परंपरा, दर्शन और आध्यात्मिकता से जोड़ा और इसकी पहुंच वैश्विक मंचों तक पहुंचाई।

## पूरा महाराष्ट्र उद्योगपतियों को बेच रहे हैं : आदित्य ठाकरे

मुबई, (एजेंसी)। मुंबई को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अन्नामलाई के बयान पर विवाद खड़ा होने के एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि पार्टी का एकमात्र उद्देश्य राज्य का अपमान करना और उसे लूटना है। ठाकरे ने मुंबई में पत्रकारों से कहा कि अन्नामलाई भाजपा का चेहरा हैं, जो शून्य है। वे वहां चुनाव नहीं जीत सके और अपनी जमानत भी नहीं बचा सके। ऐसा दिखाया गया कि अगला प्रधानमंत्री वही होंगे, लेकिन वास्तव में, तमिलनाडु ने उन्हें शून्य साबित कर दिया है। जहां मुख्यमंत्री स्टालिन तमिलनाडु को इतनी तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं, वहीं ये लोग सिर्फ लड़ रहे हैं, गाली–गलौज कर रहे हैं। अन्नामलाई ने महाराष्ट्र का अपमान किया है, और राज्य इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। अन्नामलाई और भाजपा ने महाराष्ट्र का अपमान किया है। ठाकरे का यह बयान भाजपा नेता अन्नामलाई के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने आगामी बीएमसी चुनावों से पहले मुंबई के धारावी में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि मुंबई ष्एक अंतरराष्ट्रीय शहर है, महाराष्ट्र का शहर नहीं। यूबीटी नेता ने दावा किया कि भाजपा लगातार लोगों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं या सांप्रदायिक मुद्दों में उलझाए रखने की कोशिश कर रही है, जबकि पूरे राज्य को उद्योगपतियों को बेच रही है। उन्होंने कहा, ष्भाजपा सरकार चाहे जो भी करे, जनता जानती है कि सरकार को मुंबई या महाराष्ट्र से कोई लगाव नहीं है। लोग देखते हैं कि वे हमें लड़की बहन या हिंदू–मुस्लिम मुद्दों में कैसे उलझाए रखते हैं।

## मुबई रैली में उद्धव ठाकरे एवं राज ने मराठी मानुष की बात की

मुबई, (एजेंसी)। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई एवं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने नगर निकाय चुनावों के लिए रविवार को एक संयुक्त रैली में भाजपा के फर्जी हिंदुत्व की आलोचना करते हुए कहा कि मुंबई पर मंडरा रहे खतरे के कारण वे राजनीतिक रूप से एकजुट हुए हैं। 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव से पहले मुंबई की इस अंतिम संयुक्त रैली में उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने और राज ठाकरे ने मराठी मानुष, हिंदुओं और महाराष्ट्र के लिए अपने मतभेदों को भुला दिया है। उन्होंने और राज ठाकरे ने खुद को मुंबई को बचाने के लिए एकमात्र विकल्प के रूप में पेश किया। मराठी वोट बैंक को साधते हुए राज ठाकरे ने कहा कि दोनों भाई इसलिए साथ आए हैं क्योंकि मुंबई एक गंभीर खतरे का सामना कर रही है। दोनों नेताओं ने भाजपा पर मुंबई को लूटने और इसे गुजरात से जोड़ने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि मुंबई और महाराष्ट्र की संपत्तियां गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह को सौंपी जा रही हैं। राज ने आरोप लगाया कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से भारतीय जनता पार्टी सरकार लगातार अदाणी का पक्ष ले रही है। उन्होंने मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन जैसी परियोजनाओं का हवाला देते हुए कहा, दीर्घकालिक योजना मुंबई को गुजरात से जोड़ने की है। यदि बीएमसी हमारे पास रही, तो वे अदाणी को जमीन नहीं बेच पाएंगे। उन्होंने कहा, ''यह मराठी मानुष का आखिरी चुनाव है। अगर उन्होंने अब कोई गलती की, तो मुंबई की लड़ाई हमेशा के लिए हार जाएंगे।

# आत्मनिर्भर भारत की ओर बड़ा कदम : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को उच्च आक्रमण क्षमता वाली तीसरी पीढ़ी की फायर एंड फॉरगेट मैन पोर्टेबल एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) के सफल परीक्षण के बाद रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), उसके उद्योग भागीदारों और रक्षा उद्योग को बधाई दी और इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। भारत के रक्षा मंत्रालय ने एक पोस्ट में कहा कि हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) द्वारा तीसरी पीढ़ी की फायर एंड फॉरगेट मैन पोर्टेबल एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) का गतिशील लक्ष्य पर सफल परीक्षण किया गया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने उच्च आक्रमण क्षमता वाली फायर एंड फॉरगेट मैन पोर्टेबल एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल के सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ, डीसीपी भागीदारों और उद्योग को बधाई दी और इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, सर्वोच्च आक्रमण क्षमता वाली तीसरी पीढ़ी की फायर एंड फॉरगेट मैन पोर्टेबल एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) का 11 जनवरी, 2026 को महाराष्ट्र के अहिल्या नगर स्थित केके रेंज में डीआरडीओ की हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला द्वारा एक गतिशील लक्ष्य पर सफल परीक्षण किया गया। स्वदेशी रूप से विकसित एमपीएटीजीएम में इमेजिंग इन्फ्रारेड (आईआईआर) होमिंग सीकर, ऑल–इलेक्ट्रिक कंट्रोल एक्चुएशन सिस्टम, फायर कंट्रोल सिस्टम, टैंडम वारहेड, प्रणोदन प्रणाली और उच्च प्रदर्शन लक्ष्य प्रणाली जैसी अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियां शामिल हैं, जिन्हें डीआरडीओ की सहयोगी प्रयोगशालाओं, जैसे अनुसंधान केंद्र इमारत, हैदराबाद, टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी, चंडीगढ़, हाई एनर्जी मैटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी, पुणे और इंस्ट्रूमेंट्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट, देहरादून द्वारा विकसित किया गया है। थर्मल टारगेट सिस्टम को जोधपुर स्थित रक्षा प्रयोगशाला द्वारा लक्ष्य टैंक का अनुकरण करने के लिए विकसित किया गया था। आईआईआर सीकर दिन और रात दोनों समय युद्ध संचालन क्षमता से परिपूर्ण है।

# संपादकीय

## हमले से अधिकांश देशों के कान खड़े

ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के खिलाफ जो तर्क दिया है, आशंका है कि वह वैसी ही दलील ग्रीनलैंड, क्यूबा, मेक्सिको और यहां तक कि कनाडा के खिलाफ भी गढ़ सकता है। इसीलिए इस हमले से अधिकांश देशों के कान खड़े हुए हैं। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के आसपास सैन्य दबाव कई महीनों से बना रखा था, लेकिन तब कहा गया कि यह मादक पदार्थों की तस्करी पर कार्रवाई के लिए है। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने अपने देश की संसद के सामने कहा कि वेनेजुएला पर हमला करने या वहां श्शासन परिवर्तनन्य कराने का उसका कोई इरादा नहीं है। इस तरह तीन जनवरी को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला पर जो हमला किया, वह अमेरिका में बिना संसदीय मंजूरी के किया गया। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के अनेक सांसदों ने इसे अमेरिकी संविधान का उल्लंघन बताया है। इस हमले के जरिए वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति निकलस मदुरो और उनकी पत्नी को उनके निवास से उठा लिया गया। उन्हें न्यूयॉर्क लाकर उन पर मुकदमा चलाने का एलान किया गया है, जबकि इस कार्रवाई को वहां के मेयर जोहरान ममदानी ने देश के संघीय एवं अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया है। अंतरराष्ट्रीय कानून का सर्वोपरि सिद्धांत हर देश की संप्रभुता का सम्मान है, जिसका किसी देश को उल्लंघन नहीं करना चाहिए। किसी उच्छृंखल देश के खिलाफ भी संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी से बहुपक्षीय बल के जरिए ही वैध कार्रवाई की जा सकती है। मगर इस मामले में संयुक्त राष्ट्र तो दूर, ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका के सहयोगी देशों की सहमति भी प्राप्त नहीं की। इस तरह वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए श्एकतरफा कार्रवाईन्य के अपने चलन को एक नए मुकाम पर ले गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य का ऐसा व्यवहार नियम आधारित विश्व व्यवस्था के लिए खुली चुनौती है। इससे दुनिया के हर हिस्से में हमलों की धमकी देने, कमजोर देश को डराने, और मनमाने ढंग से दूसरे देशों की संप्रभुता का उल्लंघन करने की प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिलने का अंदेशा है। ट्रंप प्रशासन ने जिस तर्क को आधार बनाकर वेनेजुएला पर कार्रवाई की, आशंका है कि वह वैसी ही दलील ग्रीनलैंड, क्यूबा, मेक्सिको और यहां तक कि आगे चल कर कनाडा के खिलाफ भी गढ़ सकता है। इसीलिए वेनेजुएला पर हमले से अधिकांश देशों के कान खड़े हुए हैं और विश्व समुदाय के बहुत बड़े जनमत ने इसकी निंदा की है।

# मोदी के हाथ में त्रिशूल और डमरू

विजय

गले में भगवा गमछा, माथे पर त्रिपुंड और हाथों में भगवान शिव की तरह त्रिशूल और डमरू पकड़े हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया अवतार सामने आया है। अलग–अलग विचारधारा और कार्यशैली के प्रधानमंत्री देश ने देखे हैं, लेकिन पहली बार एक ऐसे प्रधानमंत्री को देश देख रहा है, जिनकी वक्त–वक्त पर बदलती वेशभूषा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता की याद दिलाती है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी कोई भी काम अकारण नहीं करते। इस बार हिंदुत्व का जयघोष करने वाली मुद्रा उन्होंने सोमनाथ में 8 से 11 जनवरी तक आयोजित श्सोमनाथ स्वाभिमान पर्वश के लिए धारण की। इस उत्सव को श्भव्यश बनाने में गुजरात की भाजपा सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी क्योंकि इसके गहरे राजनैतिक निहितार्थ भी हैं।एक हजार साल पहले1026 में सोमनाथ मंदिर पर पहला हमला हुआ था। उसी याद में यह उत्सव मनाया जा रहा है। गौरतलब है कि भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था, जिसका उल्लेख ऋग्वेद में भी है। लोककथाओं के अनुसार यहीं श्रीकृष्ण ने देहत्याग किया था। यह ऐतिहासिक मंदिर अब भाजपा के लिए राजनैतिक महत्व का भी बन गया है।प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार, श्यह उत्सव विनाश को याद करते हुए नहीं बल्कि आस्था, सांस्कृतिक आत्मसम्मान और पुनर्जन्म की भावना के सम्मान के रूप में मनाया जा रहा है।श दरअसल प्राचीन सोमनाथ मंदिर में कई गांवों का चढ़ावा आता था, जिससे यहां सोने, चांदी, बड़ी संख्या में मोतियों और अनमोल रत्नों समेत बड़ी धनसंपदा सदियों से जमा थी और इस वजह से विदेशी हमलावर इसे लूटना चाहते थे। महमूद गजनी ने 1026 में जब भारत पर एक और आक्रमण किया तो उस समय गुजरात में चालुक्य वंश के राजा भीम प्रथम का शासन था, महमूद गजनी ने तभी सोमनाथ पर पहला आक्रमण किया था। इसके बाद कई और शासकों और आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर हमले किए और इसकी धन संपदा को लूटा। मध्ययुग का वह दौर ऐसा ही था, जिसमें राज्य और शक्ति बढ़ाने के लिए शासक खुलेआम लूटपाट करते थे। अभी अमेरिका इसी तरह के काम कर रहा है, बस इसमें लोकतंत्र का आवरण ओढ़ लिया है और सीधे–सीधे गैर धार्मिक स्थल को निशाना नहीं बनाया जा रहा है।खैर, सोमनाथ पर कम से कम 16 बार आक्रमण और देश के दूसरे हिंदू धर्मस्थानों पर हुए आक्रमण के बावजूद देश से न हिंदू धर्म खत्म हुआ, न हिंदुओं के अस्तित्व पर कोई खतरा आया। लेकिन मोदीराज में आस्था के पुनर्जन्म के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च करके सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया गया। सोमनाथ पर भाजपा पहले भी सफल दांव खेल चुकी है। दिसंबर 1989 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने पहली बार अपने चुनावी घोषणापत्र में राम मंदिर (अयोध्या) निर्माण के मुद्दे को शामिल किया था। तब उसकी लोकसभा सीटें बढ़ीं, फिर 1991 में लाल कृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक अपनी रथ यात्रा शुरू की, जिसके बाद भारत में वही धार्मिक विभेद की खाई गहरी होनी शुरु हुई, जो भाजपा की सत्ता के लिए जरूरी थी। 1992 में बाबरी मस्जिद तोड़ी गई। फिर 1996 में भाजपा को केंद्र की सत्ता में आने का मौका पहली बार मिला। और अब नरेन्द्र मोदी के आने के बाद तो 12 सालों से भाजपा के पास सत्ता है। ध्यान रहे कि आडवाणी की रथयात्रा में गुजरात में नरेन्द्र मोदी को बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी, जिसे मोदी ने सफलतापूर्वक निभाया।सवाल भाजपा को सत्ता में लाने का था, तो नरेन्द्र मोदी ने पूरी तैयारी से अपनी जिम्मेदारी निभाई। लेकिन अभी प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरा कार्यकाल संभालने के बाद मोदी लगातार अपने पद की गरिमा निभाने में नाकाम दिख रहे हैं। इंदौर में कई लोग दूषित पेयजल से मर गए, मोदी ने उफ तक नहीं की। दिल्ली से लेकर कई शहरों में हवा जानलेवा बनी हुई है। उन्नाव की पीड़िता इंसाफ के लिए लड़ती रही, मोदी चुपचाप देखते रहे। अभी अंकिता भंडारी मामले में लोगों ने आक्रोश न दिखाया होता तो भाजपा सरकार बेफिक्र बैठी रहती। उत्तरप्रदेश में लगातार महिला उत्पीड़न के मामले सामने आ रहे हैं। एसआईआर में एक तरफ कई बीएलओ काम के बोझ से मर गए, तो दूसरी तरफ बुजुर्ग और गरीब मतदाता परेशान हो रहे हैं, मोदी को इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ रहा। अरावली के पहाड़ काटने से लेकर मनरेगा खत्म करने जैसे बेसिरपैर के फैसले ले लिए गए। विपक्षी दलों को दुश्मन समझ कर उन्हें निशाने पर लिया जा रहा है। देश में महंगाई और बेरोजगारी संभल नहीं रही है। रूपया कितना गिर गया है, इस बारे में मोदी बात नहीं करते। ट्रंप हर दूसरे दिन मोदी और देश का अपमान कर रहे हैं, लेकिन विदेश मंत्रालय ऊटपटांग तर्क देकर ट्रंप और मोदी के अच्छे रिश्तों की गवाही दे रहा है। गलवान का हमला और सैनिकों की शहादत भुलाई जा चुकी है और अब चीन के साथ व्यापार शुरु हो गया है। पहलगाम और दिल्ली के आतंकी हमलों पर क्या कार्रवाई हो रही है, इसकी कोई चर्चा नहीं होती। यानी मोदी चाहें तो उनके पास करने के लिए ढेरों काम हैं। उन्हें प्राथमिकताएं तय करने में मुश्किल होगी कि पहले किस काम को करें, किस गलती को दुरुस्त करें। लेकिन ये सब छोड़कर मोदी इस बात से खुश हैं कि उन्हें सोमनाथ में एक हजार सेंकंड्स का ओंकारनाद करने का सौभाग्य मिला।मतलब देश भी

अब खुद को भाग्य के हवाले कर अनुलोम–विलोम शुरु कर दे, क्योंकि अकर्मण्यता ही अब देश का वर्तमान और भविष्य है। आजादी के बाद से अब तक सरकारों के काम करने का जो इतिहास था, वो भी मोदी मिटाने पर तुले हैं। उन्हें या तो एक हजार साल बाद के भारत की बात करना अच्छा लगता है, या एक हजार साल पहले के भारत की। आज जो है, उससे मोदी मुंह चुरा रहे हैं और जनता का ध्यान भटकाने के लिए पंडितों जैसी वेषभूषा में आ रहे हैं। मोदी को लगता है कि इस साल गुजरात के स्थानीय चुनाव, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और अगले साल फिर गुजरात और उप्र के चुनावों में इस तरह उन्हें धार्मिक कार्ड खेलने का मौका मिल जाएगा। पाठक ध्यान दें मोदी का फकीरी झोला चला गया है, उन्होंने त्रिशूल और डमरू उठा लिए हैं।

# पवार परिवार की चाल से महाराष्ट्र की राजनीति में आया नया मोड़

नीरज

महाराष्ट्र की राजनीति में लंबे समय से चली आ रही राकांपा की पारिवारिक और राजनीतिक फूट पर फिलहाल विराम के संकेत मिलते दिख रहे हैं। दरअसल, पुणे और पिंपरी चिंचवड नगर निगम चुनावों को ध्यान में रखते हुए राकांपा के दोनों गुटों ने संयुक्त घोषणापत्र जारी किया है। यह वही राकांपा है जो बीते डेढ़ वर्ष से दो हिस्सों में बंटी हुई थी और एक दूसरे के खिलाफ आक्रामक राजनीति कर रही थी। संयुक्त घोषणापत्र में गड्ढा मुक्त सड़कें, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, नागरिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, जल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था और सार्वजनिक परिवहन जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दी गई है। यह घोषणापत्र स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित है लेकिन इसका राजनीतिक संदेश दूर तक जाता है। घोषणापत्र जारी करने के मौके पर दोनों गुटों के नेताओं का एक साथ मंच साझा करना अपने आप में असाधारण दृश्य रहा। अजित पवार ने इस दौरान कहा कि परिवारिक तनाव समाप्त हो चुके हैं और दोनों पक्षों के कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी फिर से एकजुट हो। उन्होंने संकेत दिया कि फिलहाल नगर निगम चुनावों में साथ आने का निर्णय लिया गया है लेकिन भविष्य में राजनीतिक एकता की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। शरद पवार गुट की ओर से भी बयानबाजी का स्वर बदला हुआ नजर आया। तल्खी की जगह संयम और आक्रामकता की जगह राजनीतिक परिपक्वता दिखाई दी। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह केवल स्थानीय तालमेल नहीं बल्कि सोची समझी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। इस घटनाक्रम ने न केवल महाराष्ट्र बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। क्योंकि राकांपा का एक गुट सत्तारुढ़ गठबंधन एनडीए में है जबकि दूसरा गुट विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा माना जाता है। ऐसे में दोनों का साथ आना राजनीतिक समीकरणों को हिलाने वाला कदम है। देखा जाये तो महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर यह साबित कर रही है कि यहां विचारधारा नहीं बल्कि सत्ता ही अंतिम सत्य है। राकांपा का विभाजन किसी वैचारिक मतभेद का परिणाम नहीं था बल्कि सत्ता के समीकरणों की उपज था। अब दोनों गुटों का एक मंच पर आना भी किसी आत्ममंथन का नहीं बल्कि सत्ता की मजबूरी का नतीजा है। संयुक्त घोषणापत्र स्थानीय विकास के नाम पर जारी किया गया है लेकिन इसका असली मकसद कार्यकर्ताओं को यह संकेत देना है कि पवार परिवार की सियासी दरार भर रही है। यह संदेश जितना नीचे तक जाएगा, उतना ही तेजी से राजनीतिक गणित बदलेगा। यदि राकांपा के दोनों गुट पूरी तरह से एक हो जाते हैं तो इसका पहला और सीधा असर महाराष्ट्र की राजनीति पर पड़ेगा। अजित पवार का एनडीए के साथ रहना तब अर्थहीन हो जाएगा जब पार्टी की कमान फिर से एकजुट होकर शरद पवार के प्रभाव क्षेत्र में लौटेगी। विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए यह घटनाक्रम जीवनदान जैसा हो सकता है। महाराष्ट्र जैसे निर्णायक राज्य में यदि राकांपा एकजुट होकर विपक्षी खेमे में मजबूती से खड़ी होती है तो यह न केवल विधानसभा बल्कि लोकसभा स्तर पर भी भाजपा के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। विपक्ष की सबसे बड़ी कमजोरी बिखराव रही है और पवारों का साथ आना इस कमजोरी पर मरहम बन सकता है। हालांकि अजित पवार पार्टी की कमान चाचा शरद पवार को वापस सौंपेंगे इसकी संभावना नगण्य ही है। लेकिन यह तस्वीर का एक ही पहलू है। दूसरा पहलू उतना ही खतरनाक है। यदि राकांपा की एकता केवल नगर निगम और सीमित राजनीतिक सौदे तक सिमटी रहती है तो इससे विपक्षी गठबंधन इंडिया की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचेगा। जनता पहले ही अवसरवादी राजनीति से त्रस्त है और ऐसे प्रयोग उस अविश्वास को और गहरा करेंगे। एनडीए के लिए यह स्थिति असहज करने वाली है। जिस अजित पवार को सत्ता संतुलन के लिए साथ लिया गया था वही यदि परिवारिक एकता के नाम पर अलग दिशा में चले जाते हैं तो यह गठबंधन की कमजोरी उजागर करेगा। यह संदेश जाएगा कि सत्ता के लिए बनाए गए गठबंधन टिकाऊ नहीं होते। बहरहाल, राकांपा का यह संयुक्त कदम महाराष्ट्र की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह अध्याय एकता, विश्वास और स्थायित्व की ओर जाएगा या फिर अवसरवाद और अस्थायी समझौतों की कहानी बनेगा, यह आने वाले चुनाव तय करेंगे। लेकिन इतना तय है कि पवार परिवार की हर चाल पूरे राजनीतिक शतरंज को हिला देने की ताकत रखती है।

# विकसित भारत के लिए युवा नेतृत्व का सशक्तिकरण

डॉ. मनसुख मांडविया

भारत की विकास कथा उन लोगों द्वारा लिखी जाएगी, जो आज इसके विचारों को स्वरुप दे रहे हैं। पूरे देश में, युवा भारतीय इस बारे में गहराई से सोच रहे हैं कि भारत कैसे तेजी से आगे बढ़ सकता है, कैसे बेहतर शासन कर सकता है और किस प्रकार 2047 तक विकसित देश बन सकता है। उनके विचार विश्वविद्यालय परिसरों और समुदायों, स्टार्ट–अप और खेल के मैदानों, कक्षाओं और गांव की बैठकों में उभरकर सामने आ रहे हैं। वास्तविक सवाल अब यह नहीं रहा कि क्या युवाओं के पास योगदान देने के लिए कुछ है, बल्कि यह है कि क्या उनके विचारों को राष्ट्र की दिशा को प्रभावित करने के लिए एक सशक्त मंच दिया जा रहा है। विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) को ऐसा ही मंच प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। आज भारत में विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी निवास करती है। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा केवल नीतियों या संस्थाओं से नहीं, बल्कि इसके युवा नागरिकों की कल्पना, दृढ़ विश्वास और साहस से निर्धारित होगी। विशाल युवा शक्ति का यह भंडार केवल जनसांख्यिकीय लाभ नहीं हैय यह भारत की सबसे बड़ी राष्ट्रीय परिसंपत्ति है, जो नवाचार को गति देने, लोकतंत्र को मजबूत करने तथा देश को समावेशी और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में सक्षम है। भारत की युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को मजबूत उद्देश्य और संभावना से मार्गदर्शन मिलता है। आज का युवा केवल व्यक्तिगत उन्नति से प्रेरणा प्राप्त नहीं करता हैय वह जिम्मेदारी उठाने और सार्थक प्रभाव डालने की इच्छा से भी प्रेरित होता है। वे ऐसे रास्तों की खोज करते हैं, जहां उनकी रचनात्मकता, समाधानों में बदल सके, उनकी ऊर्जा नेतृत्व में और उनकी महत्वाकांक्षा सेवा में परिवर्तित हो सके। युवा मामले और खेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मुझे विभिन्न पृष्ठभूमियों में – जैसे विश्वविद्यालय परिसरों में, ग्रामीण जिलों में, खेल मैदानों में और युवा नेतृत्व वाली सामुदायिक पहलों में – युवा भारतीयों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला है। जो चीज हमेशा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, वह यह है कि युवा लोग देश के भविष्य के बारे में कितनी गंभीरता से सोचते हैं। मुझे वह मौका याद है जब मैं ग्रामीण युवा स्वयंसेवकों के एक समूह से मिला, जिन्होंने अपने गाँवों में अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों का आयोजन किया था। सीमित संसाधनों के बावजूद, दृढ़ विश्वास के साथ, वे शिक्षा और कौशल विकास की कमियों का स्थानीय रूप से डिजाइन किए गए उपायों के माध्यम से समाधान कर रहे थे। उनके विचार व्यावहारिक थे, जमीनी वास्तविकताओं से जुड़े थे और जिम्मेदारी की स्पष्ट भावना से संचालित थे। इस तरह के अनुभव एक सरल सच्चाई की पुष्टि करते हैंरू जब युवा लोगों पर भरोसा किया जाता है और उन्हें स्थान दिया जाता है, तो वे केवल भाग नहीं लेते, बल्कि नेतृत्व करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से आह्वान किया था कि ऐसे एक लाख युवाओं को सार्वजनिक जीवन में लाया जाना चाहिए, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न हो। प्रधानमंत्री की इसी भावना से प्रेरित होकर जनवरी 2025 में श्विकसित भारत युवा नेता संवादश कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें राष्ट्रीय युवा महोत्सव की परिकल्पना पूरी तरह से नए प्रारूप में की गयी है। प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही। विकसित भारत चुनौती के माध्यम से 30 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया, दो लाख से अधिक निबंध प्रस्तुत किए गए और हजारों युवाओं ने राज्य स्तर पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस आयोजन का समापन दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ, जहां 3,000 युवा नेताओं को प्रधानमंत्री के साथ खुलकर संवाद करने का अवसर मिला, जिन्होंने कई घंटों तक उनके विचार सुने और उन्हें नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया। संख्याओं से परे, सहभागिता की प्रकृति ने इस संवाद को वास्तव में ऐतिहासिक बनाया। इसने मान्यता दी कि भारत की युवा शक्ति के विचार 2047 के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण हैं। युवा प्रतिभागियों को राष्ट्रीय चुनौतियों के बारे में गंभीरता से सोचने, समाधान प्रस्तुत करने और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को साझा उद्देश्य के साथ जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे आकांक्षा और क्रियान्वयन के बीच का अंतर समाप्त हो गया। विकसित भारत युवा नेता संवाद की ताकत केवल इसके पैमाने में नहीं, बल्कि इसके डिजाइन में है। विचार, भाषा, संस्कृति और अनुभव की विविधता इस पहल की संरचना में निहित है। शहरी और ग्रामीण भारत के युवा, छात्र और पेशेवर, नवोन्मेषी और जमीनी नेता एक मंच साझा करते हैं।

# चीन से क्या हम भाषायी बोध सीख सकते हैं

उमेश

हिंदी के संदर्भ में देखें तो राजभाषा और राष्ट्रभाषा के बीच शाब्दिक ही नहीं, भावात्मक फर्क भी है। फिर भी एक बड़ा वर्ग हिंदी को राष्ट्रभाषा भी मानता है। यही वजह है कि हर साल ग्रेगोरियन कैलेंडर के नौंवे महीने की दस्तक के साथ ही, हर सरकारी दफ्तर राजभाषा पखवाड़े या महीने को लेकर उत्साह से भर उठता है। कुछ ऐसा ही पड़ोसी चीन में भी अब होता नजर आ रहा है। अब वहां सितंबर का तीसरा सप्ताह 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि' को समर्पित होगा। भारत और चीन के सितंबर महीने के भाषायी उत्साह में एक अंतर रहेगा, राष्ट्रभाषा बनाने की आस में हिंदी के राजभाषा ओहदे को याद किया जाएगा, जबकि चीन अपनी मंदारिन भाषा को बाकायदा राष्ट्रभाषा के तौर पर और आगे बढ़ाने की ओर अग्रसर होगा। भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने–सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है। अंग्रेजी का पहला वैश्विक विस्तार ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के दौर में हुआ और दूसरी बार उसका प्रसार रीगन–थैचर की जोड़ी के आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते कदमों के साथ हुआ। इस संदर्भ में चीन और भारत के भाषायी चिंतन और व्यवहार फर्क साफ नजर आता है। पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी। यह 1978 का साल था। इसके ठीक दो साल बाद भारत में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी हुई और उन्होंने भी धीरे–धीरे इंस्पेक्टर राज कम करने की शुरूआत की। उनकी उदारीकरण की सोच को राजीव गांधी ने परवान चढ़ाया। 1991 के आम चुनावों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने पहली बार समाजवादी आर्थिक नीतियों के बरक्स उदारीकरण का वादा किया। तब से अब तक की दोनों देशों की आर्थिक विकास यात्रा को देखें तो अंतर साफ नजर आता है। चीन आज अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उसकी तेज आर्थिक यात्रा के समानांतर अंग्रेजी का विस्तार नहीं दिखता। जबकि भारत में इसके ठीक उलट नजारा दिखता है। उदारीकरण के बरक्स दोनों देशों के भाषायी चिंतन में भी फर्क नजर आता है। यह फर्क ही है कि चीन अब अपनी मंदारिन भाषा और उसकी लिपि को लेकर सितंबर महीने के तीसरे हफ्ते को समर्पित कर रहा है। चीन की सर्वोच्च विधि निर्माता संस्था 'राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा' की स्थाई समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह' के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इस कानून में दोनों तरह की भाषाओं का ध्यान रखा गया है। चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो–विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। चीन का भाषायी कानून इन सबमें इस्तेमाल होने वाली भाषा के साथ कदमताल करने का प्रयास है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है। इस कानून में साइबरस्पेस प्रशासन को लेकर भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत अब ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वेब सीरीज, ऑनलाइन फिल्मों, ऑनलाइन गेम और अन्य डिजिटल प्रकाशनों में मानक चीनी भाषा यानी मंदारिन और मानकीकृत चीनी अक्षरों को मूल भाषा के रूप में उपयोग करना जरूरी होगा। इसके साथ ही चीन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, कॉन्फ्रेंस, इवेंट्स आदि के साइनबोर्ड, लेबल या प्रमोशनल मैटीरियल में विदेशी भाषाओं के साथ ही मानक चीनी भाषा भी शामिल करने पर जोर दिया गया है। इसकी तुलना में भारतीय राष्ट्रभाषा और आधुनिक प्रौद्योगिकी संग उसके तालमेल पर नजर डालें साफ फर्क नजर आता है। भारत अब भी राष्ट्रभाषा से दूर है। हिंदी को राष्ट्रभाषा मानने वाली ताकतों के सुर भी अब धीमे पड़ते जा रहे हैं। लेकिन चीन अपने आर्थिक उदारीकरण के बावजूद अपनी भाषा की ओर लौटता नजर आ रहा है। इसके साथ ही चीन के भाषायी आंकड़ों पर भी नजर डालना जरूरी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत से ज्यादा आबादी मंदारिन बोल सकती है। चीन में करीब 97.33 प्रतिशत लोग साक्षर हैं। इनमें करीब 95 प्रतिशत से ज्यादा लोग मानक चीनी अक्षरों का प्रयोग करते हैं। चाइना इंटरनेट नेटवर्क इन्फॉर्मेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बीते जून तक चीन में एक अरब 12 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूजर थे। इसी रिपोर्ट के अनुसार, चीन में इंटरनेट इस्तेमाल की दर 79.7 प्रतिशत तक पहुँच गई है। भाषायी कानून में इन आंकड़ों के मद्देनजर सरकारी और पब्लिक सर्विस वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के लिए भी सरकारी नियमों और मानकों के अनुसार, राष्ट्रीय मानक भाषा का इस्तेमाल जरूरी हो गया है। इस कानून का लक्ष्य ष्चीनी राष्ट्र के प्रति मजूबत सामुदायिक भावना का विकास ष्और ष्सांस्कृतिक आत्मविश्वास की मजबूतीष है। कानून इस बात पर भी जोर देता है कि बोली और लिखी जाने वाली मानक चीनी भाषा के इस्तेमाल का मकसद राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और जातीय एकजुटता बनाना होना चाहिए। यह कानून शिक्षा में भी मानक चीनी भाषा की भूमिका पर जोर देता है। कानून के अनुसार, शिक्षण और पाठ्य सामग्री में मानक मंदारिन ही बुनियादी भाषा होगी। यह भारत की नई शिक्षा नीति जैसा ही है, जिसमें प्राथमिक स्तर पर भारतीय भाषाओं के जरिए शिक्षण पर जोर दिया गया है। इस कानून के तहत संस्कृति, पर्यटन और ट्रांसपोर्ट जैसे सेक्टर में सर्विस देने वाले कर्मचारियों के लिए मानक मंदारिन जानना जरूरी होगा। इस कानून में मानक चीनी सीखने या प्रयोग में बाधा डालने पर सजा का प्रावधान भी है। हालांकि पहले उन्हें इसके लिए आगाह किया जाएगा। यहां ध्यान देने की जरूरत है कि भारत में भाषा को नकारने को लेकर कोई सजा का प्रावधान नहीं है। वैसे इस कानून के दुरूपयोग की चिंता भी जताई जा रही है। चीनी संविधान और जातीय स्वायत्तता व्यवस्था के तहत, स्वायत्त क्षेत्रों मसलन, तिब्बत, शिनजियांग, इनर मंगोलिया, गुआंग्शी, निंग्शिया आदि को क्षेत्रीय स्वायत्तता कानूनों के अनुसार, सरकारी कार्यों, शिक्षा और रोजमर्रा की जिंदगी में राष्ट्रीय भाषा के साथ–साथ एक या अधिक स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल का प्रावधान है। लेकिन शी चिनफिंग के शासन में ये प्रावधान कमजोर होते गए हैं। इसका असर तिब्बत में दिखता है, जहां कई सालों से चल रहे मातृभाषा आंदोलन और सांस्कृतिक शिक्षा का दमन किया गया। इसकी वजह से वहां निजी स्कूल बंद कर दिए गए और उनके संस्थापक गिरफ्तार कर लिए गए। तिब्बतियों को आशंका है कि इस कानून के तहत उनके खिलाफ दमन का एक और चक्र शुरू हो सकता है। साल 1994 में फ्रांस ने अपने यहां अंग्रेजी के बिलावजह प्रयोग को कानून के जरिए रोक लगाई थी। अब चीन का अपनी मानक भाषा को स्थापित करने का कानून आया है। यह सब देखते हुए भी भारत की मौजूदा राजनीतिक हालात के मद्देनजर ऐसे कानून का सुझाव देना भी संभव नहीं लगता। लेकिन चीन के इस भाषायी बोध के बहान अपेक्षा तो की ही जा सकती है कि एक दिन भारत में भी ऐसी सोच जरूर विकसित होगी।

# हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव से पूछा-डीजीपी ने फुटेज ढाई माह ही रखने का परिपत्र जारी किया

लखनऊ, (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पुलिस महानिदेशक (डी जी पी) द्वारा जारी उस परिपत्र पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जिसमें राज्य के सभी थानों में सी सी टी वी फुटेज केवल दो से ढाई महीने तक सुरक्षित रखने का प्रावधान किया गया है। अदालत ने इसे काफी अजीब बताते हुए कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के फैसले परमवीर सिंह सैनी बनाम बलजीत सिंह (2020) के प्रथमदृष्टया अवमानना जैसा प्रतीत होता है, जिसमें कम से कम छह से 18 महीने तक फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया गया है। हाईकोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ मामले में प्रदेश के मुख्य सचिव को तीन सप्ताह में व्यक्तिगत जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है, जिसमें यह स्पष्ट करना होगा कि डी जी पी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विपरीत ऐसा परिपत्र क्यों जारी किया। यह भी पूछा है कि क्या बी एन एस एस की धारा 179(2) के तहत आवश्यक नियम बनाए गए हैं या नहीं। और, याचिकाकर्ता महिला को किस परिस्थिति में थाने बुलाया गया और क्यों? अदालत ने चेतावनी दी है कि यदि हलफनामा दाखिल नहीं किया गया तो अगली सुनवाई पर मुख्य सचिव को स्वयं अदालत में उपस्थित होना होगा। मामले की अगली सुनवाई 29 जनवरी को होगी। न्यायमूर्ति अब्दुल मोइन और न्यायमूर्ति बबिता रानी की खंडपीठ ने यह आदेश उन्नाव की रूबी सिंह व अन्य लोगों द्वारा दायर याचिका पर दिया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि उन्नाव पुलिस ने उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया और उनके साथ मारपीट की। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि 5 अगस्त 2025 को पुलिस ने उनके कुछ रिश्तेदारों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर उन्हें उठा लिया, लेकिन कोई गिरफ्तारी मेमो नहीं बनाया गया। आरोप है कि 7 अगस्त की रात याची – एक महिला को अवैध रूप से लॉकअप में रखा गया और उसके खिलाफ अश्लील टिप्पणियां की गईं।

# वाहन चलाते समय करें यातायात नियमों का पालन – एआरटीओ प्रशासन

अयोध्या।मंगलवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत मंगलवार को अमौना के नजदीक माधव सर्वोदय इंटर कॉलेज के प्रांगण में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के तत्वाधान में यातायात जागरूकता अभियान कार्यक्रम संपन्न हुआ।इस मौके पर विद्यालय के लगभग 1000 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉक्टर आर पी सिंह एआरटीओ प्रशासन अयोध्या रहे। मौके पर उन्होंने यातायात संबंधी नियमों को विस्तृत रूप से बच्चों तथा वहां पर मौजूद शिक्षकों को बताया। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग तथा हेलमेट का प्रयोग अपने जीवन तथा अपने परिवार के लिए करें ना कि पुलिस के डर के लिए क्योंकि आपका जीवन अमूल्य है।वही एआरटीओ प्रवर्तन गुलाबचंद के अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्राधिकारियों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर आरपी सिंह द्वारा सड़क दुर्घटना को कम करने हेतु सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति प्रतिबद्धता हेतु प्रेरित किया गया।वही एआरटीओ प्रवर्तन गुलाबचंद एवं यात्री कर अधिकारी द्वारा हेलमेट, सीटबेल्ट का प्रयोग करते न पाए जाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करते पाए जाने एवं यात्री वाहनों पर ओवरलोडिंग के अभियोग में 85 चालान किए।

## संक्षिप्त खबरें

### स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय संस्कृति, वेदांत और राष्ट्रचेतना को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित किया : डॉ प्रमोद कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर बी० आर० पी० इण्टर कालेज, के सभागार में स्वामी विवेकानन्द जी की जयन्ती पर संगोष्ठी व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और अपने विचार प्रस्तुत किए। भाषण प्रतियोगिता में श्आयुष तिवारीश ने प्रथम तथा श्अंजली निषादश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने अपने संबोधान में कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय संस्कृति, वेदांत और राष्ट्रचेतना को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित किया। 1863 में जन्मे स्वामी विवेकान, अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस के सान्निध्य में आधयात्मिक ऊँचाइयों तक पहुँचे और शिकागो में दिए गए ऐतिहासिक भाषण से भारत को वैश्विक पहचान दिलाई। युवाओं के लिए उनका संदेश– ष्उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मतष आज भी प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम का आयोजन ष्मेरा युवा भारतष के तत्वावधान में हुआ। समन्वयक श्विशाल सिंहश ने अतिथियों का स्वागत किया। श्री राजीव श्रीवास्तव, श्री धर्मेंद्र यादव एवं श्री प्रकाश यादव की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन श्री ऋषि श्रीवास्तव ने किया। यह आयोजन विद्यार्थियों में नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं राष्ट्रनिर्माण की भावना को प्रोत्साहित करने वाला रहा।

### युवाओं के बल पर ही भारत बनेगा विश्व गुरु

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर स्थित गायत्री शक्तिपीठ परिसर में रविवार को राष्ट्रीय युवा चेतना दिवस पर द कॉल टू यूथ विषय पर कार्यशाला हुई। उत्तर जोन अयोध्या के समन्वयक देशबंधु तिवारी ने कहा कि युवाओं के बल पर ही भारत विश्व गुरु बनेगा। युवा शक्ति को आज सही दिशा की आवश्यकता है। देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के प्रति कुलपति चिन्मय पंड्या ने वीडियो संदेश में युवाओं से स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यशाला में योगाचार्य रजनीश तिवारी ने मन की शक्ति विषय पर योग व मानसिक संतुलन के माध्यम से स्वास्थ्य के महत्व को बताया। यूथ इन एक्शन के नेशनल कन्वीनर शतरुद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बिना नैतिकता को धारण किए राष्ट्र निर्माण करना संभव नहीं होगा। प्रदेश सरकार में जॉइंट डायरेक्टर, फॉरेस्ट स्टैटिस्टिक्स गौरव वार्ष्णेय ने प्रेरणा विषय पर युवाओं को लक्ष्य निर्धारण एवं सतत प्रयास के लिए प्रेरित किया।

# कोतवाली नगर पुलिस ने लाखों की चोरी के आभूषण व नगदी बरामद कर दो चोरों को गिरफ्तार कर किया सराहनीय कार्य

अयोध्या।कोतवाली नगर पुलिस ने कई जगहों पर हुए चोरी का खुलासा करते हुए इसमें शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए 50 लाख रुपये से अधिक लागत की आभूषण तथा 19 हजार रुपए नगद बरामद किए।यह सराहनीय कार्य कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पाण्डेय के नेतृत्व मे चौकी प्रभारी देवकाली एस एन सिंह, उप निरीक्षक शुभम सिंह, चौकी प्रभारी सिविल लाइन अमित कुमार ने किया।इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि पिछले दिनों देवकाली चौकी क्षेत्र में चोरों ने एक ही दुकान में दो से तीन बार चोरी किया था जिसे गंभीरता से लेते हुए एसपी सिटी श्री त्रिपाठी ने इसके खुलाशे के लिए सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे के नेतृत्व में टीम का गठन किया था।बताया कि टीम में शामिल देवकाली चौकी प्रभारी एस एन सिंह ने सोमवार को अंजनी जायसवाल के खाली मैदान कृष्णा नगर कालोनी थाना कोतवाली नगर अयोध्या से दो आरोपी जैनुल्लाह पुत्र जुग्गू निवासी हथिलाही थाना महाराजगंज जनपद अयोध्या व शाहिम अली पुत्र जैनुल्लाह निवासी हथिलाही थाना महाराजगंज जनपद अयोध्या को 50 लाख रुपए से अधिक की कीमत की जेवरात बरामद किया। एसपी सिटी श्री त्रिपाठी ने बताया कि चोरों द्वारा पूछताछ में कई स्थानों से चोरी के आभूषण व नगदी बरामद किया।बताया कि यह सभी आभूषण दुर्जन की बगिया वजीरगंज केवटहिया से एक बोरी से तथा ६19000 नगद बरामद हुआ।घटना का खुलासा करने वाली टीम में देवकाली चौकी प्रभारी एस एन सिंह के अलावा,चौकी प्रभारी सिविल लाइन अमित कुमार,उप निरीक्षक शुभम सिंह६ उप निरीक्षक पंकज सिंह के अलावा अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे।

# आदिवासियों के घर-घर जाकर इलाज करेंगे विशेषज्ञ डॉक्टर

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में नेपाल सीमा से लगे जिलों के आदिवासी अब झोलाछाप के सहारे नहीं रहेंगे। उनके उपचार के लिए राजधानी लखनऊ स्थित केजीएमयू, लोहिया संस्थान, पीजीआई और कैंसर संस्थान के विशेषज्ञ गांवों में पहुंचेंगे। जिन मरीजों में सर्जरी की जरूरत होगी उन्हें लखनऊ लाया जाएगा। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। रविवार को विभिन्न जिलों में बैठक करके शिविर के स्थान तय किए गए। दरअसल, सीमावर्ती पीलीभीत, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, लखीमपुर खीरी जिलों में जागरूकता के अभाव और गरीबी से आदिवासी एवं दलित वर्ग इलाज के लिए अस्पतालों तक नहीं पहुंच पाते हैं। इससे वे कई संक्रामक बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। इन लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए गुरु गोरखनाथ सेवा न्याय ने कदम बढ़ाया है। विभिन्न संगठनों के सहयोग से इन सात जिलों में 5 से 8 फरवरी तक चार दिवसीय स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। इसमें केजीएमयू, संजय गांधी पीजीआई और लोहिया संस्थान, कल्याण सिंह कैंसर संस्थान सहित विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सा शिक्षक, रेजीडेंट हिस्सा लेंगे। वे मरीजों की जांच करेंगे और निशुल्क दवाएं देंगे। सर्जरी वालों को संबंधित कॉलेज भेज कर उपचार कराएंगे। श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के सचिव डॉ भूपेंद्र सिंह ने बताया कि विभिन्न संस्थानों की ओपीडी में आदिवासी इलाके के मरीज तब पहुंचते हैं जब वे बीमारी से पूरी तरह ग्रसित हो जाते हैं। ऐसे में संगठन से जुड़े चिकित्सा संस्थानों की फैकल्टी, रेजीडेंट सभी ने तय किया कि टीम बनाकर आदिवासी इलाकों मरीजों को चिह्नित कर उन्हें समय से इलाज मुहैया कराएंगे। तीन साल से यह शिविर चलाया जा रहा है।

## संक्षिप्त खबरें

### मकर संक्रांति पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सार्वजनिक अवकाश, परीक्षाएं स्थगित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश शासन के आदेश के क्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने मकर संक्रांति के अवसर पर 15 जनवरी 2026 को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। कुलसचिव केशलाल द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार पूर्व घोषित अवकाश तालिका में 14 जनवरी 2026 को घोषित अवकाश को निरस्त करते हुए 15 जनवरी 2026 (मकर संक्रांति) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इसके चलते उक्त तिथि को आयोजित होने वाली विश्वविद्यालय की समस्त परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि स्थगित परीक्षाओं की नई तिथि एवं समय–सारिणी शीघ्र ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी। सभी छात्र–छात्राओं, संबंधित महाविद्यालयों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे नवीनतम जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर नियमित रूप से अवलोकन करते रहें।

### मकर संक्रांति व माघ मेले को लेकर एसपी सिटी ने किया निरीक्षण

अयोध्या। आगामी मकर संक्रांति व माघ मेले को अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए पुलिस प्रशासन अभी से तैयारी में जुट गया है मंगलवार को एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी के साथ अयोध्या के प्रमुख स्थलों पर जाकर निरीक्षण किया।बताते चले कि 15 जनवरी को मकर संक्रांति के साथ–साथ 18 जनवरी को माघ मेला तथा मौनी अमावस्या को लेकर को लेकर भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ आने की आशंका को लेकर पुलिस अधिकारियों द्वारा जताई जा रही है।इस संबंध में एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि आने वाले दिनों मे श्रदालुओ की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा पूरी तरह से खाका तैयार किया गया है।जिससे कि यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी ना हो बताया कि जरूरत के हिसाब से जगह–जगह बैरियर भी लगाए गए हैं और होल्डिंग एरिया भी बनाए गए हैं जहां पर जरूरत पड़ने पर भीड़ को देखते हुए वहां पर इन श्रद्धालुओं को रोका जा सके।मकर संक्रांति के अवसर पर अयोध्या में 15 जनवरी को खिचड़ी मेला और 18 जनवरी को माघ मेला मौनी अमावस्या के दौरान प्रयागराज तथा काशी से भी भारी संख्या में श्रद्धालु राम मंदिर तथा हनुमानगढ़ी दर्शन करने आएंगे।इसके लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की पर्याप्त संख्या में तैनाती की जाएगी।बताया बताया कि इसके अलावा सरयू नदी के प्रमुख स्नान घाटों पर भी पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल तथा जल पुलिस की तैनाती रहेगी।वही सरयू नदी के सभी स्नान घाटों को सेक्टर और जोन में विभाजित किया गया है।इन स्नान घाटों पर राजपत्रित अधिकारियों और सीओ स्तर के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जरूरत पड़ने पर भीड़ की संख्या के अनुसार रूट डायवर्जन भी किया जाएगा।

# पंडित के घर खान, यूपी में एक पते पर मिले कई परिवारों के नाम, सूची से करोड़ों गुमनाम

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में जारी मसौदा (कच्ची) मतदाता सूची में हैरत में डालने वाली खामियां सामने आ रही हैं। कहीं पंडितजी के मकान में खान साहब रहते हुए दिखाए गए हैं तो कहीं एक ही घर में रह रहे लोगों के नाम अलग–अलग बूथों पर दर्ज हैं। खामियां इतनी ज्यादा हैं कि आम मतदाताओं को लगता है इन्हें ठीक करने के लिए चुनाव आयोग को कोई अभियान चलाना पड़ेगा। रामपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र मिलक के पंडित डॉ. चंद्र प्रकाश शर्मा 71 वर्ष के हैं। उनके परिवार में छह मतदाता हैं। उनके ही घर के पते पर पांच अन्य मतदाता भी मसौदा सूची में दिख रहे हैं। इनमें शबनम का नाम है। अन्य चार मतदाता शबनम के परिवार के ही हैं। पांचवा मतदाता शबनम के परिवार का है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। शास्त्रों के ज्ञाता और पूर्व वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. शर्मा इस स्थिति से चिंतित हैं। लखनऊ के डालीबाग निवासी अनूप मिश्रा के घर में कुल 11 सदस्य हैं, लेकिन सभी सदस्य 3 अलग अलग बूथों पर बंटे हुए हैं। उनका कहना है कि मतदान के दिन उनके परिवार के सदस्यों को अलग–अलग वोट डालने जाना पड़ेगा। ये उदाहरण महज बानगी हैं। ऐसी खामियां प्रदेश के सभी क्षेत्रों की मसौदा मतदाता सूचियों में देखने को मिल रही हैं। जबकि आयोग का दावा है कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान मतदाता सूची को त्रुटि रहित बनाने के लिए चलाया जा रहा है। इस स्थिति पर यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा का कहना है कि एक ही पते पर सामान्य से ज्यादा मतदाताओं का होना सिर्फ इतने भर से उनके फर्जी होने का प्रमाण नहीं है। अलबत्ता जांच का विषय हो सकता है कि एक ही पते पर दर्ज मतदाता उस क्षेत्र में रहते हैं या नहीं। सभी मकानों को नंबर न दिए जाने से यह स्थिति पैदा होती है। सूची में खो गए 4.46 करोड़ मतदाता चुनावों को लेकर हो रहे ।

# ब्लॉक प्रमुख संघ जिलाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का भव्य स्वागत

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।सोमवार को सहादतगंज ओवरब्रिज के समीप महिंद्रा शोरूम के सामने प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का भव्य स्वागत किया गया।इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख संघ के जिला अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।भगवा रंग से सजे मंच पर घंटा–घड़ियाल की गूंज,शंखनाद तथा बटुक ब्राह्मणों के स्वस्ति वाचन के बीच आध्यात्मिक वातावरण में प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन किया गया।महानगर की सीमा में प्रवेश करते ही हजारों की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया।डीजे पर बजते भजनों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय और ऊर्जावान हो उठा।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह आयोजन संगठनात्मक एकता और शक्ति का सशक्त प्रदर्शन साबित हुआ।

# दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना में पारदर्शिता पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का लाभ केवल वास्तविक और पात्र विद्यार्थियों तक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग लगातार सख्त कदम उठा रहा है। इसी क्रम में शासन स्तर पर योजना की नियमावली–2023 में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। ये संशोधन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सामान्य वर्ग के सभी विद्यार्थियों पर समान रूप से लागू होंगे, ताकि किसी भी स्तर पर छात्रवृत्ति व्यवस्था का दुरुपयोग न हो सके।समाज कल्याण उपनिदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि इन संशोधनों का मुख्य उद्देश्य निजी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीकी रूप से स्पष्ट और जवाबदेह बनाना है। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ केवल उन्हीं विद्यार्थियों को मिले, जो वास्तव में पात्र हैं और जिनका प्रवेश निर्धारित नियमों के अनुरूप हुआ है। साथ ही मैनेजमेंट कोटा, स्पॉट एडमिशन और अन्य अपारदर्शी प्रक्रियाओं के जरिए छात्रवृत्ति के दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकेगा।संशोधित व्यवस्था के तहत अब निजी शिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक या तकनीकी पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ तभी मिलेगा, जब उनका प्रवेश पूर्णतः पारदर्शी प्रक्रिया से हुआ हो। इसके लिए संस्थानों को सार्वजनिक विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित करना, पात्र अभ्यर्थियों की रैंक सूची तैयार करना और चयन सूची को सार्वजनिक रूप से प्रकाशित करना अनिवार्य किया गया है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि विद्यार्थियों से केवल वही शुल्क लिया जाए।

# हर्बल उद्योग को ग्लोबल पहचान दिलाने वाले यावर अली शाह डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित

लखनऊ (आर एल पाण्डेय). लखनऊ के प्रख्यात उद्योगपति एवं एएमए हर्बल ग्रुप ऑफ कंपनीज के को–फाउंडर एवं सीईओ तथा इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पूर्व को–चेयरमैन श्री यावर अली शाह को मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा हर्बल उद्योग, नैचुरल डाइंग और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उनके ऐतिहासिक वैश्विक योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी (ऑनोरिस कॉजा पीएचडी) स्वर्ण पदक सहित प्रदान की गई। मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी के डॉक्टोरल मॉनिटरिंग बोर्ड द्वारा जारी पुष्टिकरण पत्र के अनुसार यह सम्मान हर्बल एवं नैचुरल डाइंग उद्योग में इनोवेशन, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण रोजगार सृजन और अंतरराष्ट्रीय विस्तार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रदान किया गया। यह दीक्षांत समारोह रविवार 11 जनवरी 2026 को नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर के गुलमोहर हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें देश–विदेश के शिक्षाविद्, वैज्ञानिक और उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित रहे। श्री यावर अली शाह ने वर्ष 2003 में दुनिया का पहला हर्बल हेयर कलर विकसित किया और 2005 में वेजिटल बायो के रूप में दुनिया का पहला पीपीडी–फ्री नैचुरल हेयर कलर तैयार किया, जिसे अमेरिका में लॉन्च किया गया। इसके बाद यह 2006 में दुबई और 2010 में भारत में लॉन्च हुआ। भारत में यह पहला ऐसा हर्बल हेयर कलर बना जिसे डर्मेटोलॉजिस्ट की प्रिस्क्रिप्शन सूची में शामिल किया गया, जिससे यह दुनिया का पहला डॉक्टर–प्रिस्क्राइब्ड हर्बल हेयर कलर बना। आज उनके द्वारा विकसित वेजिटल बायो और सेफ कलर ब्रांड भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध हैं। नैचुरल डाइंग के क्षेत्र में एएमए ने ऐतिहासिक तकनीकी उपलब्धि हासिल की है। जहाँ पारंपरिक इंडिगो डाइंग में चार घंटे लगते थे, वहीं एएमए ने इसे मात्र 40 सेकंड में संभव कर दिया। एएमए दुनिया की पहली कंपनी बनी जिसने नैचुरल इंडिगो को औद्योगिक रोप डाइंग प्रक्रिया में सफलतापूर्वक लागू किया। आज दुनिया के शीर्ष 20 डेनिम उत्पादकों में से 12 एएमए के ग्राहक हैं और एएमए विश्व की सबसे बड़ी नैचुरल इंडिगो निर्माता और निर्यातक कंपनी है। शाह की बेस्ट ऑफ वेस्ट विचार से अनार के छिलकों से खाकी रंग, खैर की लकड़ी से निकले अनुपयोगी काले कत्थे से ब्राउन डाई तथा लाख के कीड़े से शेलैक निकालने के बाद बचे मड से नारंगी और बैंगनी रंग विकसित किए गए। इससे कचरे में कमी आई और ग्रामीण क्षेत्रों में नया रोजगार पैदा हुआ। इसके साथ ही हरड़, बहेड़ा और माजू फल जैसे वन उत्पादों को एकत्र करने में स्थानीय महिलाओं को रोजगार देकर सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण किया गया। इंडिगो को श्री यावर अली शाह ने भारत की एक नई कैश क्रॉप में परिवर्तित किया। जब उन्होंने इस क्षेत्र में कार्य शुरू किया, तब उत्तर भारत में केवल 70द्80 एकड़ में इंडिगो की खेती होती थी, जो आज बढ़कर लगभग 15,000 एकड़ तक पहुँच चुकी है। हर एकड़ से दो लोगों को साल भर का रोजगार मिलता है, एक किलोग्राम बायो इंडिगो बनाने में एक आदमी को दो दिन की या दो लोगों को एक दिन का रोजगार मिलता है। पिछले तीन वर्षों से एएमए उत्तर प्रदेश में इंडिगो को नई कैश क्रॉप के रूप में विकसित कर रही है और कृषि वैज्ञानिकों के साथ मिलकर इसकी खेती को 100 एकड़ तक बढ़ाने पर काम कर रही है। मेंथा की तुलना में इंडिगो से लगभग 20 प्रतिशत ज्यादा कमाई होती है और एएमए इसका सबसे बड़ा खरीदार है, इसलिए किसानों को बाजार ढूंढने की जरूरत नहीं पड़ती। इंडिगो फरवरी में बोया जाता है और जून में काटा जाता है, जब खेत खाली रहते हैं, ।

# जौनपुर में कायस्थ समाज ने मनाई विवेकानंद, महेश योगी जयंती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर नगर के एक होटल में कायस्थ समाज के सभी संगठनों ने संयुक्त रूप से सोमवार की देर रात स्वामी विवेकानंद और महर्षि महेश योगी की जयंती मनाई। को श्री चित्रगुप्त भगवान अखाड़ा परिषद के स्थापना दिवस पर एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। कायस्थ महासभा 7235 के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव श्साधुश ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति और अध्यात्म के ज्ञान का परचम लहराया था। आज उनके पदचिन्हों पर चलने की आवश्यकता है। कायस्थ एकता मंच के जिलाध्यक्ष दयाशंकर निगम ने विवेकानंद के प्रसिद्ध उद्घोष ष्उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य साकार न हो जाएष् को दोहराया। कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय के जिला अध्यक्ष अजय वर्मा श्अज्जूश ने युवाओं से विवेकानंद के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव श्बच्चा भईयाश एडवोकेट ने महर्षि महेश योगी के प्रेरणादायक सफर पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे महेश प्रसाद वर्मा शंकराचार्य स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती जी द्वारा श्बाल ब्रह्मचारीश की उपाधि पाकर श्महर्षि महेश योगीश बने और समाज में बड़ा योगदान दिया। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष डॉ. उमाकांत श्रीवास्तव प्रिंसिपल ने बताया कि महर्षि योगी ने 1959 में अमेरिका से अपनी विश्व यात्रा शुरू की थी। उनके दर्शन का मूल आधार था कि जीवन परमानंद से भरपूर है और मनुष्य का जन्म इसका आनंद उठाने के लिए हुआ है। कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने भगवान श्री चित्रगुप्त जी अखाड़ा परिषद के गठन के लिए स्वामी चक्रपाणि महाराज का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कुंभ मेले में हर वर्ग का अखाड़ा परिषद होता था, अब श्री चित्रगुप्त भगवान अखाड़ा परिषद भी सेवा और समर्पण के लिए लगता है। कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चंद्र श्रीवास्तव श्दीनूश ने कहा कि कायस्थ समाज ने देश के हर क्षेत्र में सक्रिय योगदान देकर समाज का नाम रोशन किया है। कायस्थ महासभा के संरक्षक बजरंग प्रसाद श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि आज के आयोजन में दिखाई देने वाली एकता ही महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव श्सोनूश भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

# दुकानो एवं वाणिज्य अधिष्ठानों की साप्ताहिक बंदी घोषित – डीएम

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि उत्तर प्रदेश दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 की धारा 8(2) के साथ पठित नियमावली के नियम–6 में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये जनपद अयोध्या में स्थित दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठानों की साप्ताहिक बंदी के सम्बंध में जनहित को दृष्टिगत रखते हुये अपवादों को छोड़कर वर्ष 2026 के लिए जनपद अयोध्या के विभिन्न स्थानों के लिए साप्ताहिक बंदी दिवस घोषित किये जाते है।जिसमें अयोध्या नगर निगम की समस्त दुकानें एवं वाणिज्य अधिष्ठान। (आटो मोबाइल डीलर्स, प्रेस, बीज एवं वीडियो कैसेट एवं पूर्व नगर पालिका अयोध्या क्षेत्र की दुकानों को छोड़कर) की साप्ताहिक बंदी बृहस्पतिवार व अयोध्या नगर निगम के अन्तर्गत आटो मोबाइल डीलर्स, प्रेस, बीज एवं वीडियो कैसेट की समस्त दुकानें। (पूर्व नगर पालिका अयोध्या क्षेत्र की दुकानों को छोड़कर) साप्ताहिक बंदी रविवार किया गया है।इसी तरह अयोध्या (पूर्व नगर पालिका अयोध्या क्षेत्र) बुधवार, बीकापुर शनिवार, भदरसा मंगलवार, गोसाईगंज शुक्रवार, रूदौली मंगलवार, दर्शननगर शुक्रवार, मयाबाजार बुधवार, पूराबाजार मंगलवार, चौरेबाजार बुधवार, सोहावल शनिवार, मसौधा सोमवार, ड्योढ़ी बाजार बुधवार, मिल्कीपुर बुधवार, कुमारगंज सोमवार, हैदरगंज बाजार (ब्लाक तारून) शनिवार, हरिग्टनगंज बाजार बुधवार व मवई चौराहा रूदौली रविवार को साप्ताहिक बंदी दिवस घोषित किया गया है।

## संक्षिप्त खबरें

### चाइनीज मांझे पर सख्त कार्रवाई की मांग अधिवक्ता ने प्रशासन को 60 दिन का कानूनी नोटिस भेजा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा 11 जुलाई 2017 को पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज, नायलॉन या सिंथेटिक मांझे की बिक्री, भंडारण और उपयोग जारी है। इस धागे से मानव जीवन, पक्षी और पशुओं को लगातार खतरा बना हुआ है। हाल ही में 11 दिसंबर 2025 को शास्त्री पुल पर एक घटना हुई, जिसमें उमरपुर निवासी 40 वर्षीय निजी स्कूल शिक्षक संदीप तिवारी की मौत हो गई। वे अपनी बेटी को स्कूल छोड़कर लौट रहे थे, तभी उनकी गर्दन में चाइनीज मांझा फंस गया, जिससे गहरी चोट और अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है, और स्थानीय लोगों ने प्रतिबंधित मांझे की बिक्री पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस गंभीर स्थिति पर अधिवक्ता विकास तिवारी ने कानूनी कदम उठाया है। दीवानी न्यायालय, जौनपुर के अधिवक्ता विकास तिवारी ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010 की धारा 30(1) के तहत जिला प्रशासन को 60 दिनों का पूर्व कानूनी नोटिस भेजा है। यह धारा अधिनियम के तहत अपराधों की संज्ञान लेने की प्रक्रिया से संबंधित है। नोटिस जिलाधिकारी जौनपुर, पुलिस अधीक्षक जौनपुर और क्षेत्रीय अधिकारी उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वाराणसी को भेजा गया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अपनी ड्यूटी में लापरवाही बरत रहे हैं, जिसके कारण मांझे का निर्माण और बिक्री जारी है। साथ ही, जिलाधिकारी स्तर पर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। अधिवक्ता विकास तिवारी ने चेतावनी दी है कि यदि 60 दिनों के भीतर उचित जांच, छापेमारी, जब्ती और अभियोजन नहीं हुआ, तो वे मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट, जौनपुर में अज्ञात उल्लंघनकर्ताओं, पुलिस अधीक्षक जौनपुर और क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के खिलाफ शिकायत दाखिल करेंगे। यह उल्लंघन पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 और भारतीय दंड संहिताध्भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत दंडनीय है।

### बाल विवाह अपराध के साथ अभिशाप भी,बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय ने बताए खतरे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय ने बाल विवाह को अपराध के साथ–साथ विवाहिता और आने वाली पीढ़ियों के लिए अभिशाप बताया। चंदन राय ने कहा कि यदि नाबालिग किशोरी का विवाह कर दिया जाए और वह कम उम्र में गर्भवती हो जाती है, तो यह जच्चा–बच्चा दोनों के जीवन के लिए खतरनाक होता है। शारीरिक विकास न होने के कारण मां कमजोर और गंभीर बीमारियों की चपेट में आ सकती है। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में शिशु का पूर्ण विकास नहीं हो पाता, जिससे वह कुपोषित या दिव्यांग हो सकता है। यह गोष्ठी थाना परिसर में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग थाना प्रभारी हरिनाथ भारती, गायत्री प्रसाद यादव, रामविलास, रामकृष्ण, अविनेश सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक हस्ताक्षर कर बाल विवाह जैसी कुरीति का विरोध किया।

# विधायक रुदौली के हाथों ट्राई साइकिल पाकर दिखी दिव्यांग जनों के चेहरों पर मुस्कान

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।मंगलवार को विधायक रुदौली रामचंद्र यादव के के हाथों ट्राई साइकिल पाकर तीन दर्जन दिव्यांग जनों के चेहरों पर मुस्कान दिखाई दिया।बताते चलें मंगलवार को पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार विकास खण्ड परिसर रूदौली में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग अयोध्या के तत्वाधान में 36 ट्राईसाईकिल का वितरण किया गया।उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग है और उनकी सुविधा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना सरकार के प्राथमिकता है।ट्राई साईकिल मिलने से दिव्यांग जनों को आवागमन में सुविधा होगी तथा वे दैनिक कार्य अधिक सुगमता सहजता से कर सकेंगे।कहा कि सरकार द्वारा दिव्यांग जनों के कल्याण हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं जिसका लाभ पात्र व्यक्तियों तक निरंतर पहुंचा जा रहा है और आज कार्यक्रम में भी 15 दिव्यांगजनों का विभिन्न उपकरणों हेतु चिन्हांकन किया गया, जिनको शीघ्र सुविधा प्रदान की जाएगी।कार्यक्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी, खण्ड विकास अधिकारी रूदौली,सहायक विकास अधिकारी,विकास खण्ड व दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

# सियाराम द्वार से भाजपा को मंजिल तक पहुंचाने निकले नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के अयोध्या में प्रथम आगमन पर जगह जगह जबरदस्त स्वागत हुआ।रामसनेही घाट पर भाजपा के पूर्व सांसद लल्लू सिंह की अगुवाई में जिला अध्यक्ष संजीव सिंह, विधायक राम चंदर यादव सहित पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओ ने भव्य स्वागत किया।स्वागत के दौरान प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि एक छोटे कार्यकर्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनाना केंद्रीय नेतृत्व का विश्वास है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि मोदीदृयोगी सरकार के कार्यों के आधार पर भाजपा 2027 में फिर सरकार बनाएगी। स्वागत के क्रम में मंगलसी चौराहा पर पूर्व विधायक इन्द्र प्रताप तिवारी खब्बू,महोली में बीकापुर विधायक अमित सिंह चौहान, कोटसराय में भाजपा विधायक अभय सिंह की अगुवाई में जे सी बी लगाकर सड़क के दोनों तरफ से पुष्पवर्षा के साथ स्वागत हुआ। उदया चौराहे पर जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, रानोपाली क्रॉसिंग पर कमलाकांत सुंदरम के नेतृत्व में डॉ राकेश मणि त्रिपाठी, पूर्व पार्षद आलोक कुमार सिंह,रमाकांत विश्वकर्मा, दुर्गेश पाण्डेय कनक बिहारी पाठक,विनोद श्रीवास्तव जयगुरुदेव शुक्ला तो टेढ़ीबाजार पर प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय,मण्डल अध्यक्ष मुकेश तिवारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओ की उपस्थित में भव्य स्वागत हुआ।वही स्वागत कार्यक्रम में पड़ोसी जिलों अंबेडकर नगर, गोंडा,बलरामपुर,बाराबंकी के तमाम जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी शामिल रहे। स्वागत कार्यक्रम के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन किया। अयोध्या दौरे के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने अवध विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में अवध क्षेत्र के 14 जिलों की संगठनात्मक बैठक करने के साथ 86 विधानसभा सीटों को लेकर रणनीति तय की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र भी दिया।बैठक में अवध प्रांत के 63 विधायक और 7 मंत्री भी शामिल रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### मौनी स्नान व माघ मेले को देखते हुए रोडवेज बसों की संख्या मे बढोत्तरी – आदित्य प्रकाश

अयोध्या।मौनी अमावस्या तथा माघ मेले के दौरान यात्रियों की सुविधा को लेकर रोडवेज बसों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है।इस संबंध में सहायक प्रबंधक रोडवेज आदित्य प्रकाश ने बताया कि आने वाले दिनों में खासकर 18 जनवरी को मौनी अमावस्या स्नान के दिन अयोध्या में आसपास के जिलों से काफी संख्या में श्रद्धालु स्नान करने रामनगरी आते हैं।वही माघ मेले को लेकर अयोध्या व आसपास जिलो से भारी संख्या में प्रयागराज स्नान करने जाने वाले श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है।इस दौरान इन श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े इसके लिए रोडवेज की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।बताया कि अयोध्या में मौनी अमावस्या के स्नान को देखते हुए 120 रोडवेज बसों का संचालन किया गया है।इन रोडवेज बसों का संचालन बहराइच, बस्ती, आजमगढ़, अंबेडकर नगर,गोंडा,लखनऊ,बलरामपुर के जिलों से 12 जनवरी से हो रहा है जो कि 18 जनवरी तक चलेगा। बताया कि इसके अलावा माघ मेले को लेकर 270 रोडवेज बसों का संचालन विभिन्न रुटों से किया जाएगा वही रोडवेज बसों की संख्या में बढ़ोतरी आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए की जाएगी।जो शिवरात्रि तक चलेगा।

### पीयू के एमबीए छात्र शिवम का डिप्टी मैनेजर पद पर चयन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से एमबीए (फाइनेंस एवं कंट्रोल) के सत्र 2023–2025 के छात्र शिवम अस्थाना ने अपने कठोर परिश्रम और समर्पण से एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन देश की अग्रणी वित्तीय संस्था बजाज फाइनेंस लिमिटेड में डिप्टी मैनेजर के पद पर 5.50 लाख रुपये के पैकेज पर हुआ है, जिससे विश्वविद्यालय का नाम रोशन हुआ है। शिवम अस्थाना ने अपने कोर्स के दौरान वित्तीय प्रबंधन, निवेश विश्लेषण, कॉर्पोरेट फाइनेंस तथा बैंकिंग से संबंधित विषयों में गहन समझ विकसित की। वर्ष 2025 में उच्चतम अंकों के साथ वे गोल्ड मेडलिस्ट भी बने। उनकी शैक्षणिक योग्यता, नेतृत्व क्षमता और व्यावहारिक ज्ञान ने उन्हें बजाज फाइनेंस लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिलाई। विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं सहपाठियों ने उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिवम अस्थाना ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, गुरुजन प्रोफेसर अजय द्विवेदी, डॉ. आलोक गुप्ता तथा विभाग के समस्त शिक्षकों को दिया। उन्होंने सेंट्रल ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इंटरव्यू टिप्स, सॉफ्ट स्किल्स तथा पर्सनैलिटी डेवलपमेंट में मार्गदर्शन प्रदान किया।

# चिन्हित अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी पर अवश्य भर्ती करायें :- जिलाधिकारी'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' मंगलवार को स्वामी विवेकानन्द सभागार में आहूत जिला स्तरीय पोषण समिति की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता मेंआहूत की गयी। बैठक मेंअति कुपोषित बच्चों को एनआरसी पर भर्ती कराने में शिथिलता बरतने एवं निर्धारित लक्ष्य न पूरा करने पर नाराजगी व्यक्त की तथा समस्त सीडीपीओ को निर्देश दिये कि चिन्हित अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी पर अवश्य भर्ती करायें, ब्लॉक सुरसा एवं कछौना की सीडीपीओ द्वारा चार–चार अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी पर भर्ती कराये जाने की डीएम ने प्रशंसा की तथा सभी को निर्देश दिये कि प्रतिमाह गांव में पैदा होने वाले नवजात शिशुओं का आंगनबाड़ी कार्यकर्ती के माध्यम से करायें। निर्माणाधीन एवं बन्द आंगनबाड़ी केन्द्रों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण में निर्माण सामग्री का प्रयोग मानक एवं गुणवत्ता अनुसार किया जाये तथा बन्द निर्माण कार्यो के सम्बन्ध में बीडीओ से सम्पर्क कर कार्य प्रारम्भ कराये। पोषाहार वितरण की धीमी प्रगति पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिये कि पोषाहार निर्धारित समय पर आंगनबाड़ी केन्द्रों पंजीकृत बच्चों एवं महिलाओं को वितरित करायें और पोषाहार वितरण में अनियमिता पाये जाने पर सीडीपीओ, सुपरवाईजर, मुख्य सहायिका औरा आंगबाड़ी कार्यकर्ती पर कार्यवाही की जायेगी। बैठक में आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मैत्री शौचालय, पोषण वाटिका बनवाने एवं बाल पेटिंग कराने के संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिये कि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर ग्राम प्रधानों के माध्यम से उक्त कार्य तत्काल कराना सुनिश्चित करें तथा नवजात बालिकाओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वन्दना योजना के तहत लाभान्वित करायें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, जिला विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय कुमार सिह, अर्थ एवं संख्या अधिकारी राम प्रकाश वर्मा, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, एनआरसी के प्रभारी एवं चिकित्सक, सभी सीडीपीओ व सुपर वाइजर आदि उपस्थित रहे।

# एकाग्रता ही सफलता का मूल मंत्र : डॉ अलकेश्वरी सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर, जौनपुर के सभागार में राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 के अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषयरू एकाग्रता का संकटरू डिजिटल युग में मन की पुनः प्राप्ति था। संगोष्ठी का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। विद्यार्थियों शिखा, ज्योति यादव आदि ने स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित विद्वान डॉ जगत नारायण सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति के दुष्परिणामों पर विचार व्यक्त किए। डॉ अंशुमान सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी ने प्रतिदिन कक्षा–कक्ष पाठों पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा दी। डॉ संजय नारायण सिंह, प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा ने खेलकूद के माध्यम से ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया। डॉ प्रतिभा सिंह, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र ने बताया कि किस प्रकार मोबाइल फोन आज के युवा वर्ग को उनके मूल लक्ष्य से भटका रहा है। डॉ प्रकाश चंद्र कसेरा, असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र ने ध्यान केंद्रित करने के टिप्स दिए। डॉ हिमांशु कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत ने विविध श्लोकों के माध्यम से बताया कि मनुष्य अपनी नियति के लिए स्वयं जिम्मेदार है। इसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ बृजेश कुमार मिश्र, प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्तमान विभिन्न शोध यह बताते हैं कि आज व्यक्ति का ध्यान केन्द्रित करने की क्षमता केवल 45 सेकेंड हो गयी है जो कि बहुत चिंता का विषय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही कालेज की प्राचार्य डॉ अलकेश्वरी सिंह, प्रोफेसर, भूगोल ने अपने उद्बोधन के दौरान बताया कि एकाग्रता ही सफलता का मूल मंत्र है और यह युवाओं की दिनचर्या में शामिल होना चाहिए। अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षकगण डॉ आशुतोष पाण्डेय, डॉ अनिल कुमार, डॉ अमर सिंह, डॉ सफीउल्लाह अंसारी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ सोमारु ने किया।

# खतौनियो के निर्धारण में हुई त्रुटियों के संशोधन के लिय कार्यक्रम निर्धारित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बताया है कि राजस्व परिषद ने प्रदेश के सभी राजस्व ग्रामों की खतौनियों में खातेदारोंध सहखातेदारों के गाटों के अंश निर्धारण में हुई त्रुटियों और लोप के संशोधनध्दर्ज करने के लिए एक कार्यक्रम निर्धारित किया है। 15 मार्च 2026 तक छह चरणों में रोस्टरवार पूरा किया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत, प्रत्येक ग्राम में पूर्व निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर खतौनियों में दर्ज अंश का वाचन किया जाएगा। समस्त उपजिलाधिकारी, उनके अधीनस्थ राजस्व निरीक्षक और लेखपाल, तथा जिला पंचायत राज अधिकारी के अधीनस्थ समस्त ग्राम पंचायत अधिकारी आपस में समन्वय स्थापित कर इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करेंगे पूर्व निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर भूमि प्रबंधक समिति और समस्त ग्रामवासी/सह–खातेदार के बीच ग्राम पंचायत में एक बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में प्रपत्र ख०पु०–3 में दर्ज अंश को पढ़कर सुनाया जाएगा। इसके बाद, जिन खातेदारों/सह–खातेदारों के अंश निर्धारण में त्रुटियां या लोप संज्ञान में आएंगे, उनसे प्रपत्र ख०पु०–3 में सही अंश दर्ज कराकर सहमति के रूप में हस्ताक्षर/अंगूठा लगवाया जाएगा। खातेदारों/सह–खातेदारों को अपने अंश के समर्थन में विधिक प्रपत्र (जैसे भूमि क्रय संबंधी बैनामा या सक्षम न्यायालय के आदेश की प्रति) उपलब्ध कराने होंगे। संबंधित लेखपाल द्वारा खातेदार/ सहखातेदार से प्राप्त विधिक प्रपत्र और प्रपत्र ख०पु०–3 को भूलेख खतौनी अंशत्रुटि सुधारष् पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। लेखपाल आवेदन की स्थलीय और अभिलेखीय जांच करने के बाद, विवादितध अविवादित मामलों के संबंध में अपनी संस्तुति सहित जांच आख्या और साक्ष्य पोर्टल पर अपलोड कर राजस्व निरीक्षक को अग्रसारित करेंगे। राजस्व निरीक्षक लेखपाल द्वारा अग्रसारित प्रकरणों का परीक्षण करने के बाद तहसीलदार की ऑनलाइन अनुमति के लिए प्रेषित करेंगे। संबंधित तहसीलदार क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक की सभी जांच आख्याओं का परीक्षण कर अविवादित आवेदनों के संबंध में ऑनलाइन अनुमति प्रदान करेंगे। जिन आवेदनों में अंश निर्धारण विवादित है या वे राजस्व निरीक्षक की आख्या से असहमत हैं, तो तहसीलदार अपनी संस्तुति सहित आख्या उपजिलाधिकारी को अग्रसारित करेंगे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।